सोमवार

05 जनवरी 2026

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 332
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भाजपा पार्षद ने युवक को मारी गोली

●पुलिस ने लिया आरोपी को हिरासत में, पूछताछ जारी

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी के रामपुर रोड इलाके में देर रात एक गोलीकांड से सनसनी फैल गयी। यहां एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी की पहचान भाजपा समर्थित नगर निगम पार्षद के रूप में की गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने पुलिस ने गोलीकांड में घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। वहीं पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मृतक नितिन लोहनी देर रात अपने साथी कमल भंडारी के साथ गौलापार से लौट रहे थे। रास्ते में नितिन ने पार्षद अमित बिष्ट उर्फ चिंटू से मिलने की इच्छा जताई और दोनों उनके घर पहुंचे। गेट पर घंटी बजाने के कुछ देर बाद पार्षद हथियार लेकर बाहर आए और दोनों पर निशाना साधा। पहली गोली जमीन पर चलाई गई, जिससे डरकर नितिन भागने लगा। इसी दौरान पार्षद ने उन पर गोली चला दी, जिससे नितिन नाली में गिर गए। कमल भंडारी जान बचाकर मौके से भाग निकले। बाद में अन्य लोग भी हथियारों के साथ वहां पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी मनोज कत्याल पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक निर्देश दिए। वहीं, एएसपी दीपशिखा अग्रवाल ने बताया कि घटना देर रात की है और गोली लगने से युवक की मौत हुई। आरोपी पार्षद को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पीड़ित परिवार की ओर से तहरीर दी गई है, जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। वहींइस घटना से पूरे इलाके में भय और दहशत का माहौल व्याप्त है। कोतवाली में देर रात से ही लोगों का जमावड़ा लगा रहा। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

देवभूमि उत्तराखण्ड में महिला सुरक्षा

राष्ट्रीय महिला सुरक्षा पर जो ताजा सर्वेक्षण रिपोर्ट आई है वह उत्तराखंड के शासन-प्रशासन के आंखें खोलने वाली है। इस सूची में उत्तराखंड की राजधानी देहरादून का नंबर उन 10 प्रमुख शहरों की सूची में है जहां महिलाएं स्वयं को सबसे अधिक असुरक्षित महसूस करती हैं। इस स्थिति के पीछे क्या कारण है यह अलग मुद्दा है। पुलिस-प्रशासन इस तरह के अपराधों को रोकने के लिए क्या कुछ कर रहा है यह भी एक अलग विषय है। उदाहरण के तौर पर बीते कुछ समय पूर्व आईएसबीटी परिसर पर एक किशोरी के साथ घटित हुई सामूहिक बलात्कार की घटना हो या फिर वनंत्रा रिजार्ट में काम करने वाली उस अंकिता भंडारी की हत्या की जिसको देह व्यापार में झौकने की कोशिश आरोपियों द्वारा की गई थी तथा इस केस को लेकर देहरादून ही नहीं अब पूरे प्रदेश में आंदोलन नहीं थम रहा है तथा जिसकी गूंज यूपी होते हुए दिल्ली तक पहुंच गयी है। अभी हमने गैरसैंण में आयोजित विधानसभा सत्र में सूबे की कानून व्यवस्था पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष को जमकर हंगामा करते देखा था। तथा विपक्ष द्वारा राज्य भर में महिलाओं के यौन शोषण और शारीरिक उत्पीड़न के दर्जनों मामले गिनाते हुए सरकार से सवाल पूछे गये थे कि बलात्कार से लेकर भर्तियों तक में धांधली से लेकर तमाम आपराधिक घटनाओं में भाजपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं के नाम ही क्यों आते हैं? राज्य में जब भी ऐसी कोई घटना होती है तो उसकी गूंज लंबे समय तक रहती है और इसकी जानकारी हर आम आदमी तक पहुंचती है, और समाज में इससे असुरक्षा का भाव पैदा होना स्वाभाविक है। लंबे समय से राज्य में और देहरादून तथा हरिद्वार व ऋषिकेश में तमाम ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं जो वास्तव में डराने वाली थी। भले ही पुलिस प्रशासन द्वारा इन घटनाओं के दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने का काम किया गया हो, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा के सवालों से जुड़ी इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही है और उन पर अंकुश नहीं लग सका है। ऋषिकेश और हरिद्वार में बीते समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जो जनमानस के जहन को झकझोर देने वाली रही है। इन महिलाओं की सुरक्षा का सवाल सिर्फ सड़के और उनके कार्य स्थल तक ही सीमित नहीं रहा है वह अपने ही घरों में अपनों से असुरक्षित महसूस करती हैं, इसमें कोई संदेह की बात नहीं है। उदाहरण के तौर पर आप हरिद्वार की एक भाजपा नेत्री जो अपनी नाबालिक बेटी का शारीरिक शोषण अपने पुरुष मित्रों से कराने के आरोप में जेल में बंद हुई, देख सकते हैं। जब एक बेटी अपनी ही मां पर भरोसा न कर सके तो ऐसे समाज में हम किसी महिला सुरक्षा की बात कैसें कर सकते हैं। इनमें सड़क में चलने पर बदमाश अगर महिलाओं से मोबाइल फोन या उनके गले की चेन झपटकर भाग जाते हैं तो यह तो बहुत ही मामूली सी बात है। सरकार का नारा है कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' ऐसी स्थिति में सत्ता में बैठे लोगों की जिम्मेवारी है कि वह महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करें। लेकिन यहां तो वह खुद ही महिलाओं की असुरक्षा का कारण बने हुए हैं। भले ही इस सर्वे से सूबे के नेता व अधिकारी इत्तेफाक न रखते हो लेकिन महिला सुरक्षा और देवभूमि की संस्कृति व सभ्यता से जुड़े इस सवाल पर और अधिक गंभीर होने की जरूरत है।

मुनस्यारी में आईटीबीपी ने शुरु की भर्ती कोचिंग

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल देहरादून फ्रंटियर के अपर महानिदेशक संजय सिंह गुंज्याल की प्रेरणा से उत्तराखंड में पहली बार सीमा पुलिस सीमा के युवाओ को भर्ती के लिए दक्ष बनाने के लिए कोचिंग दे रही है। इस अनूठे नवाचार का आज सोमवार को आईटीबीपी के उप सेनानी बृज मोहन सिंह ने शुभारंभ किया। डे भर्ती कोचिंग कैंप के लिए 45 युवाओ का चयन किया गया है।

जोहर क्लब के खेल मैदान में चल रहा कोचिंग कैंप 14 वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल जाजरदेवल के सेनानी राम भरत सिंह कुशवाहा के निर्देशानुसार संचालित किया जा रहा है। कोचिंग में भाग ले रहे विद्यार्थियों ने भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के अपर महानिदेशक संजय सिंह गुंज्याल का आभार जताया। कहा कि उनकी प्रेरणा से ही हमें नया प्लेटफार्म मिला है।

आईटीबीपी के उप सेनानी राम भरत सिंह कुशवाहा ने शुभारंभ करते हुए कोचिंग कैंप के विधिवत शुरुआत की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सीमा पुलिस इन युवाओं को फिजिकल तथा थ्योरिकल दोनों पार्ट से भर्ती के लिए दक्ष बनाने के लिए इस कैंप को सहयोग कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां किसी को भर्ती नहीं किया जा रहा है। इस कैंप को भर्ती के लिए कोचिंग कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सीमा में रहने वाले

❑फिजिकल ओर थियोरेटिकल पर फोकस होगी कोचिंग , विद्यार्थियों ने एडीजी संजय सिंह गुंज्याल का जताया आभार

लोगों के सुख दुख में हमेशा सीमा पुलिस साथ खड़ी रहती है।

सहयोगी संस्था सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया के अध्यक्ष जगत सिंह मर्तोलिया ने कहा कि सामुदायिक पुस्तकालय शिक्षा, संस्कार, स्वरोजगार तथा रोजगार के नवाचार का केंद्र है। इसलिए हमेशा इस क्षेत्र के युवाओ के लिए इस तरह के अनेकानेक पहल करते रहेगा।

जोहर क्लब के अध्यक्ष केदार सिंह मर्तोलिया ने आईटीबीपी के इस पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस पहल से एक नयी शुरुआत होगी। युवाओं के लिए यह पहल एक नया रास्ता दिखायेगा। उन्होंने मुनस्यारी की जनता की ओर से सीमा पुलिस देहरादून फ्रंटियर के अपर महानिदेशक संजय सिंह गुंज्याल का प्रकट किया।

इस अवसर शिविर प्रभारी निरीक्षक कुन्दन सिंह, चिकित्सा अधिकारी डाक्टर हेमंत जिंगर, थानाध्यक्ष अनिल आर्या, सीमा पुलिस रिटायर्ड निरीक्षक देवेंद्र सिंह धर्मसक्तू, रिटायर्ड निरीक्षक बहादुर सिंह पिमोली, उप महानिरीक्षक कुन्दन सिंह नित्वाल, खुशाल सिंह धर्मसक्तू, लक्ष्मण सिंह पांगती ष लछबू ष, भूपेंद्र सिंह जंगपांगी, दीवान सिंह कोरंगा, देवेंद्र सिंह देवा, भावना देवी उपस्थित रही।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष बलबीर व उपाध्यक्ष काला बने

देहरादून (सं)। उत्तराखण्ड केंद्रीय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के चुनाव में बलबीर सिंह नेगी अध्यक्ष व एचएस काला उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। आज यहां उत्तराखंड केंद्रीय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के चुनाव 04 जनवरी 2026 को देहरादून स्थित सीक्यूआई सामुदायिक भवन भवन, लाड़पुर (रायपुर रोड) में शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुए। मतदान स्थल में बड़ी संख्या में पेंशनर्स सदस्यों ने भाग लिया।

मतगणना के पश्चात देर रात चुनाव अधिकारी अशोक शंकर ने घोषित परिणामों के अनुसार अध्यक्ष पद पर बलवीर सिंह नेगी ने 379 मत प्राप्त कर विजय प्राप्त की, जबकि सुनील कुमार मेहता को 174 मत मिले। संरक्षक पद पर तिलक राज शर्मा को 378 मत तथा माधो सिंह रावत को 186 मत प्राप्त हुए। उपाध्यक्ष पद पर सरदार एच. एस. काला को 332 मत एवं अविनाश कांत को 204 मत मिले। संयुक्त सचिव पद पर पी. के. सिंह को 387 मत तथा शिव राम को 158 मत प्राप्त हुए। कोषाध्यक्ष पद पर ए. के. उनियाल को 399 मत मिले।

हजारा बुणजाई बिरादरी ने लोहड़ी महोत्सव के आयोजन की तैयारियों को लेकर की बैठक

संवाददाता

देहरादून। हजारा बुणजाई बिरादरी 1950 की वार्षिक लोहड महोत्सव को भव्य व सांस्कृतिक गरिमा के साथ आयोजित करने के उद्देश्य से कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

आज यहां हजारा बुणजाई बिरादरी 1950, देहरादून (पंजी.) की वार्षिक लोहड़ी महोत्सव को भव्य एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ आयोजित करने के उद्देश्य से कार्यकारिणी सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिरादरी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और आयोजन की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। यह बिरादरी उत्तराखंड में मौजूद सबसे पुराने सामाजिक संगठनों में से एक है और सदा सामाजिक सद्भाव एवं आपसी सौहार्द के लिए कार्य करती रही है। बिरादरी द्वारा भारत की आजादी के बाद वर्ष 1947 से देहरादून में प्रत्येक वर्ष लोहड़ी के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं, जिनके माध्यम से सर्व समाज में एकता और सौहार्द का संदेश दिया जाता रहा है। प्रचार मंत्री एवं मीडिया प्रभारी अभिनव थापर ने कहा कि इस वर्ष लोहड़ी पर्व 11 जनवरी 2026 को पटेल नगर में पारंपरिक रीति-रिवाजों, लोक-संस्कृति और सामूहिक सहभागिता के साथ भव्य स्तर पर मनाया जाएगा। कार्यक्रम में पारंपरिक लोहड़ी अलाव, लोकगीत-संगीत,

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियों ने दिया धरना

संवाददाता

देहरादून। बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर बैंक अधिकारियों कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर धरना दिया।

आज यहां यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के आहवान पर देश भर में प्रदेशों की राजधानियों में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने अपनी लंबित मांग बैंको में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह को लेकर यूएफबीयू देहरादून यूनिट के संयोजक कामरेड इन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व में दो दिवसीय प्रदर्शन के दौरान यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन केन्द्रीय नेतृत्व के कार्यक्रमानुसार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया राजपुर रोड के सामने धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों के कर्मचारी व अधिकारी सम्मलित हुए।

प्रदर्शन में सभी घटकें के सदस्यों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कर सरकार और वित्त मंत्रालय के खिलाफ नारेबाजी लगाते हुए अपनी वेतन समझौते में सम्मलित पांच दिवसीय कार्य सप्ताह को शीघ्र

लागू करने की अपील की। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के संयोजक इन्द्र सिंह रावत के अनुसार यह प्रमुख मांग लम्बे समय से केन्द्र सरकार के पास लंबित है जो कि मार्च 2024 में हस्ताक्षरित वेतन समझौते के संयुक्त नोट में स्पष्ट रूप से स्वीकार की जा सकी है क्यूंकि बैंकों में वर्क लाइफ बैलेन्स एवं बैंकों के व्यवसाय बढाने हेतु यह समझौता आईबीए द्वारा स्वीकार किया गया था लेकिन इसके बावजूद भी सरकार द्वारा इसे लागू नहीं किया गया है जबकि आज बैंक कर्मचारियों पर बढते कार्य दबाव के चलते बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह बहुत ही जरूरी है। बैंक कर्मचारियों का कहना है कि दो साल होने को है लेकिन सरकार कि ओर से अभी तक कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया है जिससे कि पूरे देश भर के बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों में गहेरा रोष है। संयोजक इन्द्र सिंह रावत ने बताया कि यदि सरकार द्वारा अभी भी उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आज के धरना के साथ-साथ आगे हडताल पर जाना निश्चित है। प्रदर्श कने वालों में कामरेड हेमंत मल्होत्रा, कामरेड नैनसिंह राना, अनिल जैन, चंद्रकांत जोशी, राजन पुण्डीर, अनिल बिष्ट, भूपेंन्द्र रावत, विनय शर्मा, गरिमा शर्मा, आकांक्षा गौर आर एस रजवाड आदि लोग शामिल रहे।

काले, घने और शाइनी हो जाएंगे बाल

हर लड़की चाहती है कि उसके बाल हमेशा घने, मुलायम और चमकदार बने रहें। मगर स्ट्रेस और प्रदूषण की वजह से बाल कम उम्र में ही डैमेज होना शुरू हो जाते हैं। अगर आप भी इस तरह की समस्याओं से परेशान हैं तो सबसे पहले अपना शैंपू बदलें। इसके लिए आपको किसी भी तरह के बाजारू प्रोडक्ट्स खरीदने की आवश्यकता नहीं बल्कि होमेड हर्बल शैंपू बना कर ही इन परेशानियों का हल निकाला जा सकता है। आज हम आपको एक नेचुरल शैम्पू बनाना सिखाएंगे जिससे बालों की कई समस्याओं से छुटकारा मिलता है। अगर इसे नियमित इस्तेमाल किया जाए तो यह बालों का असमय सफेद होना भी रोक सकता है। यहां जानें इसे बनाने का तरीका...

सामग्री 1 बड़ा चम्मच शिकाकाई, 1 बड़ा चम्मच रीठा पावडर, 3/4 बड़ा चम्मच पिसा हुआ आंवला, 1/2 बड़ा चम्मच नीम पाउडर, शैंपू बनाने का तरीका, एक पैन में 3 कप पानी डालें और गैस जलाएं। गैस को मीडियम रखें और पानी में चारों चीजों को एक एक कर के डालें। घोल को अच्छी तरह से 1० मिनट के लिए उबालना है। अच्छे से उबलने के बाद इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें। इसके बाद इसे छान लीजिए। इसे किसी एयर टाइट बॉटल में डालकर रख दीजिए। ये आसानी से हफ्ते भर तक चल जाएगा। आप चाहें तो इस हर्बल शैंपू में अपने मनपसंद का एसेंशियल ऑयल डाल सकती हैं। इससे शैंपू में अच्छी खुशबू आने लगेगी। बालों में शैंपू लगाने से पहले उन्हें गीला न करें बल्कि इस हर्बल शैंपू को थोड़ा सा डाल कर पहले सिर की मसाज करें। सिर की मसाज करते हुए शैंपू को पूरे बालों में लगाएं। उसके बाद बाल धो लें। याद रखें कि इस शैंपू में झाग नहीं बनेगा बल्कि यह वैसे का वैसा ही रहेगा। अब बालों में बाकी का और बचा हुआ शैंपू लगाएं और मसाज करने के बाद सिर को अच्छी तरह से धो लें। रीठा- इससे बाल सुंदर, मजबूत और चमकदार बनते हैं। इसमें किसी तरह का केमिकल नहीं होता इसलिए इससे बाल भी नहीं झड़ते हैं। मार्केट में उपलब्ध शैंपू और कंडिशनर में भी रीठे का ही प्रयोग किया जाता है। ये बालों को उलझने से बचाता है।

शिकाकाई- शिकाकाई में ढेर सारा विटामिन डी और सी पाया जाता है जिससे रूखे बालों में नमी आती है। यह आपके बालों को आवश्यक पोषण देता है और उसे घना करने में मदद करता है। इसे लगाने से सिर की खुजली से राहत मिलती है।

बालों में आंवला के फायदे- इस होम मेड शैंपू में आंवला बेहद जरूरी सामग्री है क्योंकि यह बालों को पतला और कमजोर होने से बचाता है। यह फैटी ऐसिड्स से भरपूर होने की वजह से बालों की ग्रोथ में तेजी लाता है।

दिनभर बने रहना चाहते हैं एनर्जेटिक तो आजमाएं ये ड्रिंक

दिनभर काम करते रहने के कारण अगर आप शाम को बहुत थके हुए से फील करते हैं तो आप अपने आपको एनर्जेटिक बनाने के लिए कुछ ऐसी ड्रिंक का सेवन कर सकते हैं जो आपको थोड़ी ही देर में पर्याप्त ऊर्जा की पूर्ति करके एक्टिव कर देगी और आप अपने बाकी बचे हुए ऑफिस या घर के काम को भी बड़ी आसानी से पूरा कर सकेंगे। आज हम आपको एक ऐसी ही खास ड्रिंक के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे बनाना बेहद आसान है और इसको बनाने के लिए आपको केवल फूड शॉप और ग्रॉसरी शॉप पर जाने की जरूरत पड़ेगी। तो चलिए बिना देर किए हुए इस ड्रिंक की खासियत के बारे में जानते हैं और फिर उसे बनाने की विधि के बारे में भी आपको विस्तारपूर्वक बताया जाएगा।

केला और चॉकलेट पाउडर से तैयार होगी ये ड्रिंक- इस ड्रिंक को तैयार करने के लिए केला और चॉकलेट पाउडर का इस्तेमाल किया जाता है। इन दोनों ही खाद्य पदार्थों में भरपूर मात्रा में कैलोरी पाई जाती है जो आपको एनर्जेटिक बनाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर सकती है। अगर बात की जाए केले की तो 1०० ग्राम केले में लगभग 89 कैलोरी, वहीं 1०० ग्राम चॉकलेट पाउडर में 228 कैलोरी मौजूद होती है। यह मात्रा आपके शरीर को पर्याप्त ऊर्जा देने के लिए काफी मानी जाती है। इतना ही नहीं, आप इसे सुबह ऑफिस जाने से पहले या फिर वर्क फ्रॉम होम पर बैठने से पहले भी पी सकते हैं। साथ ही साथ शाम को ड्रिंक के रूप में भी आप इसका सेवन कर सकते हैं। चलिए अब इसे बनाने की विधि के बारे में जानते हैं।

सामग्री - 1 गिलास ड्रिंक के लिए

1 केला

1 कप दूध

1 चम्मच चॉकलेट पाउडर

बनाने की विधि

सबसे पहले एक केला लें। उसके छिलके को साफ कर इसे छोटे-छोटे भागों में काट लें। अब इसे एक ग्राइंडर में डालें और ऊपर से दूध और चॉकलेट पाउडर को मिलाएं। अब ग्राइंडर को करीब 5 मिनट तक चलाएं। जब आपकी ड्रिंक तैयार हो जाए तो इसे एक गिलास में निकाल लें और इसका सेवन करें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दो बच्चों के बीच लड़ाई की वजह बन सकती हैं पेरेंट्स की ये गलतियां

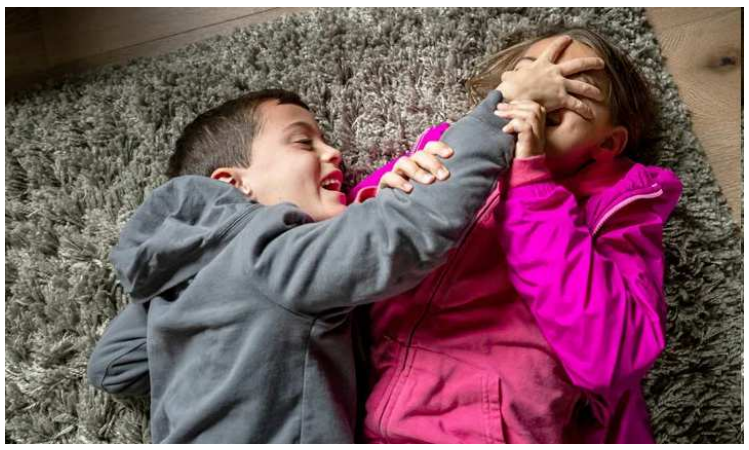

किसी के घर जब दूसरे या तीसरे बच्चे का जन्म हो रहा होता है तो मां-बाप अपने बच्चों से कहते हैं कि वो बड़े भाई या बहन बनने जा रहे हैं। उन्हें लगता है कि इस खबर से जैसे वो खुश हैं वैसे ही उनके बच्चे भी होंगे जो गलत है। वास्तव में अगर बच्चा छोटा है तो वो इस स्थिति को ज्यादा समझ भी नहीं पाता। ऊपर से बच्चे के जन्म के बाद मां-बाप का प्यार और अटेंशन दो बच्चों में बंट जाता है। उनके पास बड़े बच्चे को देने के लिए ज्यादा समय भी नहीं होता। बच्चों की वजह से व्यस्तता भी बढ़ जाती है। इसके अलावा बड़े बच्चे के लिए अपना कमरा, चीजें और खिलौने शेयर करना भी अलग अनुभव होता है। मां-बाप इस स्थिति पर ज्यादा ध्यान नहीं देते लेकिन बच्चे के लिए ये काफी परेशान करने वाला है। ऐसे में माता-पिता को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनके बच्चे के मन में अपने आने वाले भाई या बहन के लिए मनमुटाव ना हो।

बच्चों की आपस में लड़ाई होने के बाद कुछ पेरेंट्स अक्सर किसी एक बच्चे का पक्ष ले लेते हैं। वहीं पेरेंट्स छोटे बच्चों की नादानियों को अवॉयड कर देते हैं और बड़े बच्चे को गलती करने पर फटकार लगाने से भी नहीं चूकते हैं। ऐसे में भाई बहन के बीच दूरियां आना स्वाभिवक होता है। इसलिए लड़ाई करने पर किसी एक बच्चे का पक्ष बिल्कुल न लें और दोनों बच्चों को उनकी गलती का एहसास करवाएं।

मां-बाप के लिए ये उम्मीद करना गलत है कि नए बच्चे की खुशी को उनके बड़े भाई-बहन उसी तरह मनाएंगे जैसे वो मना रहे हैं। वास्तव में उनके लिए इस बात को दरकिनार करना काफी मुश्किल है कि अब उन्हें मां-बाप की पूरी अटेंशन नहीं मिलने वाली। छोटे बच्चे ये नहीं बता पाते कि वो क्यों नाराज हैं लेकिन उन्हें बखूबी ये बात चुभती है और वो गुस्सा कर, चीजें तोड़कर और रोकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हैं। ऐसे में मां-बाप को खासतौर पर अपने पहले बच्चे की इस मनोदशा को समझना चाहिए और उनको बराबर तवज्जो देने की कोशिश करनी चाहिए।

घर में छोटा बच्चा आने के बाद बड़े बच्चों को अक्सर अपने खिलौने और खाने की चीजें अपने छोटे भाई या बहन के साथ शेयर करनी पड़ती है। जाहिर है बच्चे बड़ों की तरह मैच्योर नहीं होते हैं। वहीं कई बार बच्चे अपनी चीजें शेयर करने से इंकार भी कर देते हैं। ऐसे में बच्चों को चीजें शेयर करने के लिए फोर्स करने के बजाए प्यार से समझाएं।

बच्चों में जब भी झगड़ा होता है तो इस स्थिति में मां-बाप को दोनों को प्यार से समझाना चाहिए। इस दौरान अगर एक बच्चे की गलती होती भी है तो उसे अलग से उसकी गलती बतानी चाहिए ना कि दूसरे बच्चे के सामने उसे डांटना या मारना चाहिए। बच्चों के अंदर भी आत्मसम्मान होता है और किसी दूसरे बच्चे के सामने डांट और मार का उन पर बहुत बुरा असर पड़ता है। वो शर्मिंदगी महसूस करते हैं। इससे उनके मन में दूसरे बच्चे और अपने मां-बाप के लिए भी नाराजगी पैदा होने लगती है। अक्सर मां-बाप जाने-अनजाने में अपने बच्चों में फर्क करने लगते हैं और लड़ाई-झगड़े में भी वो उसी का साथ देते हैं। हमेशा किसी एक बच्चे की तरफदारी करना गलत है।

सभी बच्चों का व्यक्तित्व, तौर-तरीके, आदतें और व्यवहार अलग होता है। ऐसे में दोनों को एक-दूसरे से कम्पेयर करना ठीक नहीं है। कोई बच्चा बहुत शांत होता है तो कोई बहुत शैतान, अगर आप दोनों को एक-दूसरे की तरह बनने की सीख देंगे तो इसके उनके कोमल मन पर बुरा असर पड़ेगा। इस स्थिति में वो अपने भाई या बहन को खुद से बेहतर समझेंगे और उनसे ईर्ष्या करने लगेंगे। एक बच्चे को दूसरे का उदाहरण देना मां-बाप की बहुत बड़ी भूल होती है और ये वो अक्सर बच्चों के बड़े होने तक करते रहते हैं। लगातार मां-बाप की इस तुलना से बच्चे तंग हो जाते हैं और धीरे-धीरे उनके मन में अपने भाई और बहन के लिए खीझ पैदा होने लगती है।

टॉवल में भी होते हैं कई तरह के वायरस!

टॉवल एक ऐसी चीज है जिसका इस्तेमाल सभी लोग नहाने के समय करते हैं। दिन की शुरुआत में नहाने से लेकर रात को सोते समय मुंह धोने तक लोग दिन में कई बार टॉवल का इस्तेमाल करते हैं। आपको बता दें कि हर बार इसको यूज करने के साथ ही टॉवल के सरफेस पर कई प्रकार के कीटाणु आ जाते हैं। क्या आपको पता है कि एक गंदा टॉवल यूज करने से आपके शरीर में एकसाथ कई प्रकार के खतरनाक जर्म्स प्रवेश कर सकते हैं। टॉवल को रोज धोना-सुखाना मुश्किल होता है तो ऐसे में इसे साफ करना और जर्म्स फ्री रखने के टिप्स के बारे में जरूर जानना चाहिए। आइए आपको बताते हैं कि कैसे आप कुछ स्टेप्स को फॉलो करके टॉवल को क्लीन और हाइजीनिक बना सकते हैं।

नियमित रूप से करें साफ

लोग हर रोज नियमित रूप से टॉवल का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए जरूरी हो जाता है कि इसकी सफाई भी नियमित रूप से ही की जाए। ध्यान रखें कि टॉवल को हर 5 से 7 बार यूज करने के बाद अच्छे से धो दिया जाए। इसको जर्म्स फ्री बनाने के लिए इसे गर्म पानी में धोएं। टॉवल को माइक्रोब्स फ्री बनाने के लिए ऑक्सीजन ब्लीच वाले किसी भी डिटर्जेंट का इस्तेमाल किया जा सकता है। सादे पानी से हर रोज धोने की कोशिश करें।

खुली हवा और धूप में सुखाएं

ज्यादातर लोग टॉवल का इस्तेमाल करने के बाद उसको बेड, चेयर या बाथरूम में ही छोड़ देते हैं जिससे उसमें अधिक मात्रा में जर्म्स और बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं। टॉवल को क्लीन बनाए रखने के लिए इसको धुप में जरूर सुखाएं या किसी ऐसे स्थान पर डालें जहां हवा आ रही हो। जिन जगहों पर वेंटिलेशन रहता है वहां इसको सुखाने से बैक्टीरिया और सीलन की बदबू पैदा नहीं होगी।

विनेगर मिलाकर धोएं

टॉवल को अच्छे से साफ करने के लिए धोने वाले पानी में डिटर्जेंट के साथ साथ विनेगर भी मिला सकते हैं। दरअसल हार्ड वॉटर के कुछ रिमेंस जो टॉवल के रेशों में जम जाते हैं वह विनेगर की मदद से आसानी से साफ हो जाते हैं। इस तरह आपका टॉवल पूरी तरह क्लीन हो जाएगा।

ज्यादा पुरानी टॉवल का न करें इस्तेमाल

एक टॉवल को लम्बे समय तक इस्तेमाल करने से उसके धागे कमजोर पड़ जाते हैं जिससे वह अच्छी तरह आपकी बॉडी को क्लीन नहीं कर पाता है। जैसे ही आपको लगे कि आपका टॉवल हल्का हो गया है या काफी पुराना हो गया है तो उसे तुरंत बदल दें।

अपना टॉवल शेयर न करें

माइक्रोब्स और जर्म्स से बचने के लिए टॉवल को साफ रखना तो जरूरी होता ही है साथ ही इसे घर के किसी और सदस्य के साथ शेयर नहीं करना चाहिए। कुछ घरों में कई लोग एक ही टॉवल को शेयर करते हैं। ऐसा करने से उनको कई प्रकार के इन्फेक्शन और स्किन एलर्जी हो सकती है। इसलिए हमेशा अपने टॉवल को किसी भी फैमिली मेंबर या पार्टनर के साथ शेयर बिल्कुल न करें।

तेजी से वजन बढ़ाने में मदद कर सकते हैं ये 5 प्राकृतिक खाद्य पदार्थ

वजन बढ़ाने के लिए सही आहार का चयन करना बहुत जरूरी है। कई लोग वजन बढ़ाने के लिए फास्ट फूड का सहारा लेते हैं, लेकिन यह तरीका सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के बारे में बताएंगे, जो वजन बढ़ाने में मदद कर सकते हैं और सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं। इन खाद्य पदार्थों का सेवन कैसे किया जाए, इस पर भी चर्चा करेंगे।

केले का सेवन करें- केला एक ऐसा फल है, जिसमें ज्यादा मात्रा में कार्बोहाइड्रेट और पोटेशियम होता है। यह न केवल ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि शरीर में ऊर्जा के भंडार को भी बढ़ाता है। केले में प्राकृतिक मिठास होती है, जो तुरंत ऊर्जा देती है और वजन बढ़ाने में मदद करती है। रोजाना एक या दो केले खाने से आप अपने आहार में अतिरिक्त कैलोरी जोड़ सकते हैं, जिससे वजन बढ़ाना आसान हो जाता है।

सूखे मेवे खाएं- सूखे मेवे जैसे बादाम, अखरोट, किशमिश आदि में ज्यादा मात्रा में कैलोरी और फायदेमंद चर्बी होती है। इनका सेवन रोजाना करने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं और वजन बढ़ाने में मदद मिलती है। सूखे मेवे हल्के नाश्ते के रूप में भी खाए जा सकते हैं, जिससे आप अपने मुख्य भोजन के बीच में भी कुछ पौष्टिक खा सकते हैं। इसके अलावा यह दिमाग के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

आलू खाएं- आलू में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा ज्यादा होती है, जो वजन बढ़ाने में सहायक होती है। आलू को उबालकर या भूनकर खाया जा सकता है, जिससे यह आसानी से पच जाता है और शरीर को ऊर्जा मिलती है। इसके अलावा आलू में विटामिन-सी और फाइबर भी होते हैं, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं। आलू को अलग-अलग तरीकों से पकाकर खाया जा सकता है जैसे कि मैश्ड आलू, तले हुए आलू आदि।

एवोकाडो खाएं- एवोकाडो एक खास फल है, जिसमें लाभकारी चर्बी होती है, जो शरीर के लिए फायदेमंद होती है। इसका सेवन करने से न केवल वजन बढ़ता है, बल्कि दिल की बीमारियों से भी बचाव होता है। एवोकाडो में विटामिन-ई और फाइबर भी होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखते हैं। इसे सलाद या स्मूदी में मिलाकर खाया जा सकता है। इसके अलावा इसे ब्रेड पर लगाकर भी खाया जा सकता, जिससे यह रोजमर्रा के आहार में शामिल किया जा सके।

दूध और छाछ पिएं- दूध और छाछ दोनों ही प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ-साथ वजन बढ़ाने में भी मदद करते हैं। इनका नियमित सेवन करने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे आप स्वस्थ तरीके से वजन बढ़ा सकते हैं। इन प्राकृतिक खाद्य पदार्थों का सेवन करके आप बिना किसी दुष्प्रभाव के अपने वजन को बढ़ा सकते हैं और अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रख सकते हैं।

रसोई में रोजमर्रा के कामों को आसान बना सकते हैं ये 5 हैक्स

रसोई में काम करते समय अक्सर समय की कमी और काम का बोझ बढ़ जाता है। ऐसे में कुछ छोटे-छोटे उपाय आपकी मदद कर सकते हैं। ये उपाय न केवल आपके समय को बचाएंगे, बल्कि आपके काम को भी आसान बना देंगे। इनका उपयोग करके आप बिना किसी तनाव के अपनी रसोई को व्यवस्थित रख सकते हैं और खाना बनाना भी जल्दी कर सकते हैं। आइए इन उपायों के बारे में जानते हैं।

सब्जियों को जल्दी काटने का तरीका- सबसे पहले सब्जियों को धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद एक बड़े डिब्बे में सभी कटी हुई सब्जियों को डालें और उन्हें एक साथ मिला लें। अब इस मिश्रण को छोटे-छोटे थैलियों में बांधकर फ्रीजर में रख दें। जब भी आपको सब्जियां चाहिए होंगी, आप इन थैलियों को निकालकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपका समय बचेगा और रोजमर्रा के खाने में ताजगी भी बनी रहेगी।

माइक्रोवेव का करें इस्तेमाल- अगर आपके पास माइक्रोवेव है तो उसका इस्तेमाल करके आप कई काम जल्दी कर सकते हैं। जैसे आलू को उबालने के लिए उन्हें धोकर माइक्रोवेव में पानी के साथ डालें और 5-6 मिनट तक तेज गर्मी पर पकाएं। इसी तरह टमाटर को भी छिलने के लिए पहले गर्म पानी में डालकर कुछ देर रखें, फिर छीलें। प्याज को भी छिलने के लिए पहले छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें, फिर माइक्रोवेव में पकाएं।

बर्तन धोना होगा आसान- बर्तन धोने में अक्सर समय लगता है, लेकिन इसे आसान बनाया जा सकता है। इसके लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें क्योंकि गर्म पानी चर्बी को जल्दी हटाता है। अगर आपके पास बर्तन धोने का तरल साबुन नहीं है तो एक कपड़े में थोड़ा सा बर्तन धोने वाला पाउडर लें और उसे पानी में घोलकर इस्तेमाल करें। इससे बर्तन साफ होंगे। इसके अलावा बर्तन धोने के बाद उन्हें हवा में सुखाने के लिए स्टैंड पर रखें।

चावल और दाल को एक साथ पकाएं- आमतौर पर चावल और दाल को अलग-अलग पकाया जाता है, लेकिन इन्हें एक साथ पकाकर समय बचाया जा सकता है। इसके लिए पहले चावल और दाल दोनों को धोकर अलग-अलग बर्तनों में रखें। अब एक बड़े बर्तन में पानी उबालें और उसमें दोनों बर्तनों की सामग्री डालें। 20-25 मिनट तक पकने दें, फिर गैस बंद कर दें। इससे आपका खाना जल्दी तैयार होगा और आपको किसी भी चीज का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

ब्लड शुगर का स्तर नहीं बढ़ाते हैं ये फल, डाइट में जरूर करें शामिल

फल शरीर को पोषण देने वाले कई विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं और इनका सेवन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है। हालांकि, मधुमेह रोगियों के लिए फल खाना मुश्किल हो जाता है क्योंकि उनमें प्राकृतिक रूप से शक्कर होती है, जो ब्लड शुगर का स्तर बढ़ा सकती है। ऐसे लोग फल खाने से डरते हैं, लेकिन कुछ फल ऐसे भी होते हैं, जो ब्लड शुगर का स्तर नहीं बढ़ाते हैं। आइए ऐसे ही फल जानते हैं।

संतरा

संतरे में मौजूद एंथोसायनिन नामक एंटी-ऑक्सीडेंट मधुमेह के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है। एंथोसायनिन शरीर में इंसुलिन हार्मोन के उत्पादन को नियंत्रित कर मधुमेह के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है। ट संतरे में सूजन कम करने वाले गुण भी होते हैं, जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें फाइबर भी होता है, जो पाचन क्रिया को सुधारने में सहायक हो सकता है।

नींबू

नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड और विटामिन-सी एंटी-ऑक्सीडेंट की तरह काम करके मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। नींबू में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट शरीर में इंसुलिन हार्मोन के उत्पादन को नियंत्रित कर मधुमेह के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा नींबू में सूजन कम करने वाले गुण भी होते हैं। लाभ के लिए रोजाना एक गिलास पानी में आधा नींबू निचोड़े और पीएं।

एवोकाडो

एवोकाडो एक ऐसा फल है, जो फाइबर का अच्छा स्त्रोत होने के साथ ही कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला होता है। यह फल अच्छे वसा से भरपूर होता है, जो ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ने से रोक सकता है। इसके अतिरिक्त इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, मैग्नीशियम, पोटैशियम और फोलेट जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। लाभ के लिए रोजाना इसका सेवन करें। एवोकाडो से कई तरह के व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं।

जामुन

जामुन भी कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला फल है, जिस वजह से यह ब्लड शुगर के स्तर को प्रभावित किए बिना पाचन क्रिया में धीरे-धीरे अवशोषित होता है। इसके अतिरिक्त जामुन में एंथोसायनिन नामक एंटी-ऑक्सीडेंट होता है, जो एंटी-डायबिटिक गुण की तरह काम करके ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। यह फल खाने में भी बहुत स्वादिष्ट होता है।

कीवी

कीवी में एंटी-ऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले गुण पाए जाते हैं, जो मधुमेह के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला फल है, जिस वजह से इसका सेवन करने से ब्लड शुगर का स्तर नहीं बढ़ता है। इसके अतिरिक्त कीवी में फाइबर भी पाया जाता है, जो शरीर में इंसुलिन हार्मोन के उत्पादन को नियंत्रित कर मधुमेह के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकता है।

शब्द सामर्थ्य -096

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

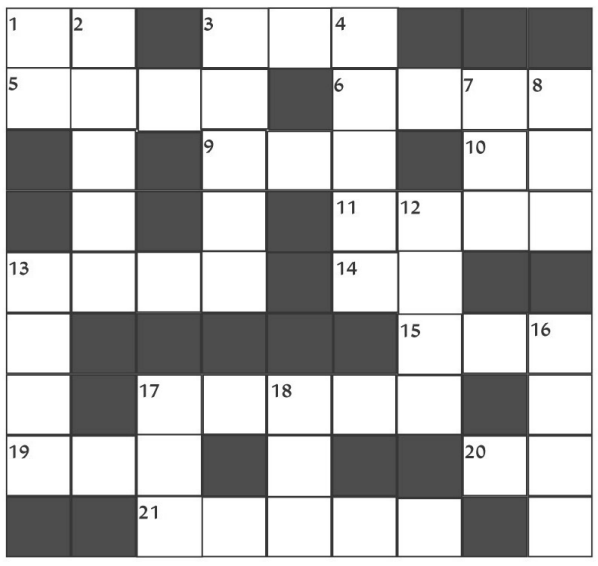

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 95 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

रवि तेजा की फिल्म भारत महासयुलाकु विग्न्याप्ति का टीज़र रिलीज

मास महाराजा रवि तेजा ने अपनी नई फिल्म भर्ता महाशयुलकु विग्नप्ति के टीज़र से फैंस को इंप्रेस किया है। यह फिल्म कॉमेडी और फैमिली ड्रामा का मिक्सचर है, जो शादीशुदा रिश्तों पर फोकस करती है। किशोर तिरुमाला द्वारा डायरेक्टेड इस फिल्म में आशिका रंगनाथ और डिंपल हयाती फीमेल लीड रोल में हैं, जबकि सुनील, सत्या, वेनेला किशोर और सुभलेखा सुधाकर अहम किरदारों में हैं।

टीज़र में रवि तेजा का सिग्नेचर स्टाइल दिखाया गया है, जिसमें मज़ेदार डायलॉग और एक्सप्रेशन हैं जो हर जगह पतियों को पसंद आएंगे। फिल्म मज़ेदार तरीके से दिखाती है कि शादीशुदा मर्दों को अपनी पत्नियों के साथ किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, और पाबंदियों के बीच फंसे पतियों का दर्द। टीज़र की शुरुआत में रवि तेजा एक साइकोलॉजिस्ट के पास जाते हैं, क्योंकि डिंपल हयाती से शादीशुदा होने के बावजूद उन्हें दूसरी औरत (आशिका रंगनाथ) से प्यार हो गया है।

फैंस 13 जनवरी, 2026 को संक्रांति के मौके पर रिलीज़ होने वाली इस फ़िल्म का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। भीम सेसिरोलियो ने म्यूज़िक दिया है और सुधाकर चेरुकुरी एसएलवी सिनेमाज़ के तहत इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं, इसलिए इस फैमिली एंटरटेनर से काफी उम्मीदें हैं। क्या भर्ता महाशयुलकु विग्नप्ति मास महाराजा रवि तेजा की कमबैक फ़िल्म होगी? टीज़र से पता चलता है कि यह फ़िल्म शादीशुदा रिश्तों पर एक नया, कॉमेडी अंदाज़ पेश करेगी, जिससे यह फैमिली ड्रामा और रवि तेजा के सिग्नेचर ह्यूमर के फैंस के लिए ज़रूर देखने लायक बन जाती है।

आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर 47-एके47 की शूटिंग शुरू

तेलुगु सिनेमा के दो सबसे चर्चित नाम एक बार फिर साथ आ रहे हैं। बहुप्रतीक्षित वेंकटेश और त्रिविक्रम की फिल्म वेंकी77 का नाम बदलकर अब आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर 47-एके47 रख दिया गया है। यह एक आकर्षक और दिलचस्प शीर्षक है, और इसका लोगो स्पष्ट रूप से एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजन फिल्म का संकेत देता है जिसमें रोमांच का भी पुट है।

फिल्म के पहले लुक में वेंकटेश एक परिष्कृत, शालीन और पारिवारिक व्यक्ति के रूप में नजर आ रहे हैं, जो एक आकर्षक और भावनात्मक रूप से गहराई से जुड़ी कहानी की नींव रखता है। आदर्श कुटुंबम की शूटिंग हैदराबाद स्थित एल्युमिनियम फैक्ट्री में शुरू हुई, जो दर्शकों के लिए एक यादगार सिनेमाई अनुभव की शुरुआत का प्रतीक है। यह सहयोग पिछले कई महीनों से फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बना हुआ है, और इसकी वजह भी वाजिब है। त्रिविक्रम की अनूठी कहानी कहने की शैली से गढ़े गए किरदार में वेंकटेश को देखना सिनेमा प्रेमियों की लंबे समय से चली आ रही प्रतीक्षा है। हास्य और भावनाओं से भरपूर पारिवारिक ड्रामा बनाने के लिए जाने जाने वाले त्रिविक्रम से एक और ऐसी फिल्म की उम्मीद की जा रही है जो सभी को पसंद आएगी। आदर्श कुटुंबम 2026 की गर्मियों में रिलीज होने वाली है और सभी वर्गों के दर्शकों के लिए एक भव्य दावत साबित होने का वादा करती है। प्रतिष्ठित हारिका एंड हसीन क्रिएशन्स बैनर के तहत एस. राधा कृष्ण (चिनाबाबू) द्वारा निर्मित, इस अनोखे और जादुई संयोजन ने पहले ही दर्शकों के लिए काफी उम्मीदें जगा दी हैं। प्रशंसक और फिल्म प्रेमी दोनों ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वेंकटेश का आकर्षण त्रिविक्रम की कहानी कहने की प्रतिभा के साथ बड़े पर्दे पर क्या कमाल दिखाता है।

शंभला ने आदि साईकुमार के लिए रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत दर्ज की

शम्भाला को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिसने आदि साईकुमार के करियर में पहले दिन की सबसे अधिक कमाई की है और तुरंत ही छुट्टियों के मौसम की एक बड़ी सफलता बनकर उभरी है। फिल्म की सीमित रिलीज को देखते हुए, इसकी ओपनिंग ने व्यापार जगत को आश्चर्यचकित कर दिया है।

उगंधर मुनि द्वारा निर्देशित और महिधर रेड्डी और राजशेखर अन्नाभिमोजू द्वारा निर्मित यह फिल्म बढ़ती उम्मीदों के बीच सिनेमाघरों में आई और पहले ही शो से उस उत्सुकता को भारी भीड़ में बदल दिया। शहरों के मल्टीप्लेक्स और छोटे केंद्रों के सिंगल स्क्रीन में भारी भीड़ देखी गई, दिन बढ़ने के साथ ऑक्यूपेंसी लगातार बढ़ती गई और कई जगहों पर रात के शो तक हाउसफुल रहे सीमित संख्या में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बावजूद, शंभला ने पहले दिन ही विश्व स्तर पर 3.5 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। फिल्म की मांग इतनी मजबूत रही कि प्रदर्शकों ने दूसरे दिन से और अधिक स्क्रीन जोड़ने का फैसला किया।

इस प्रतिक्रिया से केवल पहले दिन के उत्साह का ही संकेत नहीं मिलता। शुरुआती शो के बाद दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ तेज़ी से फैल गईं, जिससे फिल्म को पूरे दिन अपनी गति बनाए रखने में मदद मिली। दर्शकों ने विशेष रूप से फिल्म के अनूठे कथानक को सराहा है, जो प्रचलित तरीकों से हटकर अपनी धीमी गति से आगे बढ़ता है। आदि साईकुमार के सहज और आत्मविश्वास से भरे अभिनय की व्यापक रूप से सराहना की जा रही है, और कई लोग इसे उनके अब तक के सबसे परिष्कृत प्रदर्शनों में से एक बता रहे हैं। फिल्म की तकनीकी कुशलता और प्रभावशाली प्रस्तुति को भी इसकी लोकप्रियता के प्रमुख कारणों में गिना जा रहा है।

कुणाल खेमू की वेब सीरीज सिंगल पापा को हां करने के लिए मेरे पास दो कारण थे: आयशा अहमद

नेटफ्लिक्स की नई कॉमेडी सीरीज सिंगल पापा खूब चर्चा बटोर रहा है। शो से जुड़ी अभिनेत्री आयशा अहमद ने अपने अनुभव साझा किए हैं। सीरीज में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह शो उनके करियर का अहम प्रोजेक्ट है। व्यक्तिगत रूप से उनके लिए शूटिंग का अनुभव बेहद खास रहा। आयशा अहमद ने कहा, जब मुझे पहली बार डायरेक्टर शशांक की टीम ने मीटिंग के लिए बुलाया, तो इस दौरान बातचीत का अनुभव काफी अच्छा रहा। शशांक के साथ पहली मुलाकात इतनी दिलचस्प रही कि वह लंबे समय तक मेरे दिमाग में बनी रही। कुछ समय बाद जब मैं काम के सिलसिले में ट्रैवल कर रही थी, तभी मेरे पास सिंगल पापा सीरीज के लिए कॉल आया। मैंने बिना समय लगाए तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, मेरे शो को हां कहने के पीछे दो कारण थे- एक तरफ शो को शशांक जैसे डायरेक्टर बना रहे थे और दूसरी तरफ मेरे साथ कुणाल खेमू स्क्रीन साझा करने वाले थे। मैं उनकी काफी लंबे समय से फैन हूं।

आयशा ने कहा, मेरे लिए कुणाल खेमू के साथ काम करना अपने आप में एक यादगार अनुभव है। वह सेट पर हल्का-फुल्का और मजेदार माहौल बनाकर रखते थे। वह सभी कलाकारों को सपोर्ट करते हैं और हर सीन में ऐसी ऊर्जा लेकर आते थे कि बाकी कलाकारों का काम और भी आसान हो जाता है।

आयशा ने बताया कि उनके साथ शूटिंग इतनी सहज रही कि सब कुछ अपने आप सही समय पर होता चला गया। इस वजह से यह प्रोजेक्ट मेरे लिए और भी खास बन गया।

सीरीज सिंगल पापा नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। शो में मनोज पाहवा, कुणाल खेमू, दयानंद शेट्टी, प्राजक्ता कोली, नेहा धूपिया और आयशा रजा मिश्रा जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं।

कहानी गौरव गहलोत नाम के एक ऐसे व्यक्ति की है, जो उम्र में बड़ा होने के बावजूद कई बार बच्चों जैसा व्यवहार करता है। तलाक के तुरंत बाद वह बच्चा गोद लेने का फैसला करता है। इस फैसले से पूरे परिवार में हड़कंप मच जाता है। सभी के मन में एक सवाल होता है- जो व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की चीजें संभाल नहीं पाता, वह एक बच्चे की जिम्मेदारी कैसे निभाएगा? इस फैसले के बाद परिवार में हंगामा, उलझनें और हंसी-ठहाकों से भरा सफर शुरू होता है।

भूल भुलैया 4 को अभी से ब्लॉकबस्टर बनाने की तैयारी शुरू

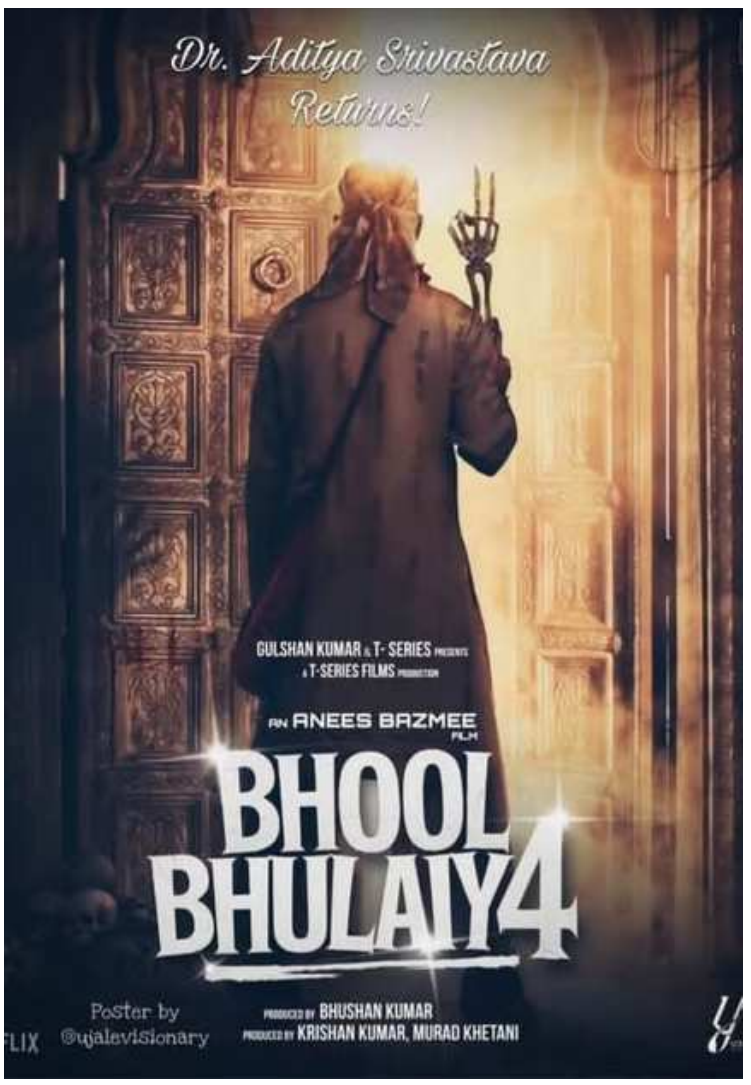

साल 2007 में जब अक्षय कुमार की पहली हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया रिलीज हुई, तो उसने लोगों का दिल जीत लिया। फिर 2022 भूल भुलैया 2 और 2024 में भूल भुलैया 3 रिलीज हुई। इन दोनों फिल्मों में अक्षय की बजाए कार्तिक आर्यन नजर आए। अभिनेता को उसी तरह का प्यार मिला, जैसा लोगों ने अक्षय को दिया था। भूल भुलैया 4 पहले से तय है और अब निर्देशक अनीस बज्मी ने फिल्म की कास्ट पर अपडेट दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्देशक अनीस ने भूल भुलैया 4 पर कहा, कहानी पर काम अभी शुरू नहीं हुआ है, लेकिन चूंकि हमने बीबी2 और बीबी2 बनाई है, इसलिए हमें बीबी2 भी बनानी होगी। बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक कुछ ठोस नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, रूह बाबा के रूप में कार्तिक आर्यन ने एक मजबूत छवि बनाई है। तो कार्तिक तो होना ही चाहिए। इस दौरान उन्होंने अक्षय के फिल्म में होने पर बात की।

जब अनीस से पूछा गया कि क्या भूल भुलैया 4 में अक्षय की वापसी होगी तो उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छा विचार है। बीच में भूषण कुमार (निर्माता) और मेरी बात हुई थी और हमने चर्चा की कि क्या हम ऐसा कर सकते हैं। नारंगी कपड़ों में अक्षय और काले कपड़ों में कार्तिक का एक-दूसरे के खिलाफ होना वाकई बहुत अच्छा लगेगा।

जाहिर है कि अगली किस्त में अक्षय और कार्तिक का साथ किसी तोहफे से कम नहीं होगा।

गांवों की तस्वीर बदलने वाला विधेयक जी राम जी

एस. सुनील

जी राम जी को विकसित भारत के लिए विकसित ग्रामीण व्यवस्था तैयार करने के स्पष्ट उद्देश्य से लाया गया है। विपक्षी पार्टियों और आलोचकों को इस पर अमल का इंतजार करना चाहिए तब उनको वास्तविक स्थिति का अंदाजा लगेगा। जहां तक तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल का आरोप है तो यह समझने की जरुरत है कि अगर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया जाए तो पहले की तरह योजनाओं में अनियमितता बनी रहेगी।

संसद का शीतकालीन सत्र ऐतिहासिक रहा। वंदे मातरम् और चुनाव सुधार पर दो लंबी और सार्थक चर्चा के साथ आठ विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हुए। दो अन्य विधेयक संसदीय समितियों को भेजे गए। राज्यसभा में उत्पादकता 121 प्रतिशत और लोकसभा में 111 प्रतिशत रही। दुर्भाग्य से लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष संसद की अहम कार्यवाही के समय नदारद रहे। वे जर्मनी में बीएमडब्लु की फैक्टरी घूम रहे थे और साढ़े चार सौ सीसी की बाइक के साथ तस्वीरें खिंचवा रहे थे। उनकी अनुपस्थिति में देश के लोगों ने प्रियंका गांधी वाड्रा की राजनीतिक समझ का परिचय प्राप्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला के साथ औपचारिक चाय पार्टी में उनकी उपस्थिति ने भारत की गरिमामय संसदीय परंपरा की तस्वीर प्रस्तुत की।

बहरहाल, 2025 का शीतकालीन सत्र विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक के लिए याद किया जाएगा। यह भारत के गांवों की तस्वीर बदलने वाला विधेयक है। विपक्षी पार्टियों ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए इस विधेयक के नाम का मुद्दा बनाया और महात्मा गांधी बनाम रामजी का विवाद खड़ा किया। महात्मा गांधी की समाधि पर भी राम ही लिखा हुआ है और यह विधेयक महात्मा गांधी के रामराज्य और ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने वाला है। वे अंतिम व्यक्ति के सशक्तिकरण के जिस सिद्धांत के पक्षधर थे वह इस विधेयक के कानून बनने से पूरा होगा। यह विधेयक राज्यों को भी सशक्त बनाएगा, उन्हें अपनी योजनाएं लागू करने में मदद करेगा और गांवों में एक मजबूत व टिकाऊ बुनियादी ढांचा तैयार करेगा, जिससे आने वाले वर्षों में गांवों की तस्वीर बदलेगी। संसद में हुई चर्चा से पता चला कि पश्चिम बंगाल के 19 जिलों में मनरेगा के क्रियान्वयन में गड़बड़ियों का पता चला था। उसके बाद देश भर में इसका अध्ययन किया गया। 23 राज्यों से मिली रिपोर्ट में इस कानून में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का पता चला और साथ ही यह भी पता चला कि यह कानून अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभा चुका है। इसके जरिए अब कोई नया लक्ष्य नहीं हासिल किया जा सकता है। जबकि भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए गांवों में बुनयादी ढांचे के विकास के साथ साथ ग्रामीण आबादी को आत्मनिर्भर बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि भारत के गांव अब वैसे नहीं हैं, जैसे 2005 में थे। उस समय की जरुरतों के मुताबिक इस कानून को बनाया गया था। लेकिन अब गांव बदल गए हैं। वहां बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़क, बिजली और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है। गांवों में भी वैसी गरीबी नहीं है, जैसी 2005 में थी। देश में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की आबादी घट कर पांच प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने गरीबी उन्मूलन के अभियान को अत्यंत प्रभावशाली तरीके से क्रियान्वित किया है। तभी एब्सोल्यूट पॉवर्टी लगभग पूरी तरह से समाप्त हो गई है। इसलिए गांवों में रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दूसरी पीढ़ी की योजना की आवश्यकता थी और वह आवश्यकता इस नए कानून से पूरी होगी।

इस विधेयक की तीन बुनियादी कारणों से आलोचना की जा रही है। विपक्ष का आरोप है कि इससे रोजगार का अधिकार खत्म हो जाएगा और दूसरे कानूनी रूप से रोजगार प्राप्त करने की गारंटी खत्म हो जाएगी। तीसरी बात यह है कि इसे मांग आधारित योजना की बजाय आवंटन आधारित यानी सप्लाई आधारित योजना बनाया जा रहा है। ये तीनों बिंदु पूरी तरह से गलत हैं। सबसे पहले तो सरकार ने मनरेगा के तहत मिलने वाले एक सौ दिन की रोजगार गारंटी को बढ़ा कर 125 दिन कर दिया है। यानी अब अगर ग्रामीण इलाके का कोई व्यक्ति या परिवार चाहे तो 125 दिन रोजगार उसे मिलेगा। दूसरी बात यह है कि पहले की तरह अब भी यह कानूनी बाध्यता है कि रोजगार मांगने के 15 दिन के भीतर उसे रोजगार उपलब्ध कराया जाए अन्यथा बेरोजगारी भत्ता दिया जाए। सवाल है कि जब रोजगार के दिन बढ़ा दिए गए और 15 दिन के अंदर रोजगार उपलब्ध कराने की वैधानिक व्यवस्था को बनाए रखा गया तो अधिकार या गारंटी कैसे खत्म हो गई?

जहां तक आवंटन आधारित योजना का रूप देने की बात है तो इस योजना के तहत केंद्र सरकार पर्वतीय राज्यों जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के सिक्किम सहित अन्य राज्यों के लिए इस योजना में 90 प्रतिशत फंड देगी। इसी तरह जिन केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा नहीं है वहां सौ फीसदी फंड केंद्र सरकार देगी। बाकी राज्यों में 60 और 40 फीसदी की हिस्सेदारी होगी। विपक्षी पार्टियों को अंदाजा नहीं है कि केंद्र सरकार की ओर से दिया जाने वाला 60 प्रतिशत फंड कितना होगा लेकिन उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया है। हो सकता है कि वह 60 फीसदी फंड ही अभी दिए जाने वाले सौ प्रतिशत फंड से ज्यादा हो। अभी 60 हजार करोड़ रुपए का बजट आवंटन होता है और संशोधित खर्च 86 हजार करोड़ तक हुआ था। हो सकता है कि सरकार इसमें कटौती नहीं करे या इससे ज्यादा फंड दे। लेकिन उससे पहले ही विपक्षी पार्टियों ने इसे विरोध का आधार बना दिया।

असल में विपक्ष और तमाम आलोचक इस बात को समझ ही नहीं रहे हैं कि बदलती हुई जरुरत के हिसाब से योजनाओं को भी बदलना होता है। 20 साल पहले कोई योजना शुरू हो गई तो जरूरी नहीं है कि वह उसी रूप में आज भी प्रासंगिक हो। एक समय था, जब तालाब खोदना या भरने का काम इस योजना के तहत किया गया। यह भी सही है कि कोरोना महामारी के समय यह योजना करोड़ों लोगों के जीवन का आधार बनी। लेकिन ऐसा नहीं है कि नए रूप में यह करोड़ों लोगों के जीवन का आधार नहीं रहेगी। नए रूप में इस योजना से नागरिकों को ज्यादा लाभ मिलेगा और साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित भारत के हिसाब से बुनियादी ढांचा तैयार करने में भी आसानी होगी। इस विधेयक के चार बहुत स्पष्ट लक्ष्य तय किए गए हैं। पहला, जल संरक्षण की व्यवस्था करना। इस योजना के जरिए जल स्त्रोतों को पुनर्जीवन देना और उनको संरक्षित रखना एक लक्ष्य है। दूसरा, ग्रामीण स्तर पर टिकाऊ बुनियादी ढांचा विकसित करना, जिससे भविष्य में लोगों को रोजगार मिलता रहे और उनका जीवन सुगम बने। तीसरा, आजीविका के साधन तैयार करना। इसका भी मकसद है कि ऐसा ढांचा तैयार हो, जिससे लोगों को स्वतंत्र रूप से जीवनयापन के साधन उपलब्ध हों। और चौथा, मौसम की मार से लोगों को बचाने का ढांचा तैयार करना है। इन दिनों मौसम का अतिरेक बहुत आम घटना है। उसे रोकने के उपाय हों और किसी वैसी आपदा की स्थिति में लोगों को बचाने का ढांचा मौजूद हो यह भी इस विधेयक का लक्ष्य है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि विधेयक को व्यापक रूप दिया गया है, इसके व्यापक लक्ष्य तय किए गए हैं और इसे पूरी तरह से विकसित भारत के लिए विकसित ग्रामीण व्यवस्था तैयार करने के स्पष्ट उद्देश्य से लाया गया है। विपक्षी पार्टियों और आलोचकों को इस पर अमल का इंतजार करना चाहिए तब उनको वास्तविक स्थिति का अंदाजा लगेगा। जहां तक तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल का आरोप है तो यह समझने की जरुरत है कि अगर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया जाए तो पहले की तरह योजनाओं में अनियमितता बनी रहेगी। तकनीक जैसे बायोमेट्रिक्स, एआई आधारित व्यवस्था, जियो टैगिंग या डैशबोर्ड की जरुरत है ताकि किसी किस्म की संभावित गड़बड़ी को रोका जा सके।

बहरहाल, संसद के शीतकालीन सत्र की एक ऐतिहासिक उपलब्धि परमाणु ऊर्जा का क्षेत्र निजी कंपनियों के लिए खोलने की भी रही। सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया यानी शांति विधेयक के जरिए सरकार ने परमाणु ऊर्जा का क्षेत्र निजी कंपनियों के लिए खोल दिया है। विकसित भारत बनाने के लिए यह अनिवार्य आवश्यकता है कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने। उसका एक रास्ता परमाणु ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाना है। उसे नए कानून के जरिए हासिल किया जा सकेगा। दोनों अहम विधेयक पारित होने से पहले संसद के शीतकालीन सत्र में वंदे मातरम् के डेढ़ सौ साल पूरे होने के मौके पर लंबी चर्चा हुई।

स्वंय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस चर्चा की शुरुआत की। इसके अलावा चुनाव सुधारों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिस पर गृह मंत्री अमित शाह बोले। इस तरह की चर्चाओं से संसद की सार्थकता बनती है। कुल मिला कर संसद का शीतकालीन सत्र सार्थक चर्चाओं और बेहद आवश्यक विधायी कार्यों को संपन्न करने वाला रहा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र.096

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 95 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलने का पेश बिल आज के चलन के मुताबिक ही है। मगर शांति (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विधेयक में हादसे की स्थिति में विदेशी सप्लायरों को जिम्मेदारी मुक्त करने का शामिल प्रावधान समस्याग्रस्त है। यह धारणा पहले से मौजूद है कि 2010 के सिविल लायबिलिटी ऑफ न्यूक्लियर डैमेज ऐक्ट के तहत लागू इस प्रावधान को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव में बदला जा रहा है। ऐसी खबरें रही हैं कि ट्रंप प्रशासन ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए जो शर्तें लगाईं, उसमें यह भी शामिल था।

नए विधेयक में प्रावधान है कि परमाणु संयंत्र की संचालक कंपनी रिएक्टर और अन्य उपकरणों की सप्लायर कंपनी से अपने करार में दुर्घटना का दायित्व साझा करने का प्रावधान कर सकती है। लेकिन करार में यह शर्त शामिल नहीं रही, तो फिर सप्लायर की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। फिर यह प्रावधान भी समस्याग्रस्त है कि हादसे की सूरत में संचालक कंपनी पर अधिकतम जुर्माना 3000 करोड़ रुपये का ही लगाया जा सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुर्माना सरकार भरेगी। आखिर जब संचालन निजी कंपनी के हाथ में है और उसने सप्लायर से स्वतंत्र रूप से समझौता किया हुआ है, तो पीड़ितों को मुआवजा देने का बोझ भारतीय करदाताओं

पर क्यों डाला जाना चाहिए?

अधिकारियों ने दावा किया है कि शांति विधेयक के पारित होने पर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश आएगा। इससे भारत 2047 तक एक लाख मेगावाट परमाणु बिजली पैदा करने का लक्ष्य हासिल कर सकेगा। अभी 8,900 मेगावाट परमाणु बिजली ही भारत में बनती है। बहरहाल, निवेश और निर्माण संबंधी फैसले बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप होते हैं। एक बड़ा सवाल कीमत का है। परमाणु संयंत्र लगाना और उसका रखरखाव करना खासा महंगा पड़ता है। ऐसे में निवेश के लिए कितनी प्राइवेट कंपनियां आगे आएंगी और पैदा बिजली को वो उपभोक्ताओं को किस दाम पर उपलब्ध कराएंगी, ये सब भविष्य में जाकर ही जाहिर होगा। फिलहाल, यह सच है कि पेश बिल से भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ हुआ है।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष जमकर चले ईंट पत्थर, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बोडाहेड़ी गांव में दो पक्षों में पुरानी रंजिश के चलते हुई मारपीट खूनी संघर्ष में बदल गई। इस दौरान दोनों ओर से जमकर पथराव किया गया। काफी देर तक ईंट पत्थर फेंके गए, जिसमें दोनों पक्षों के छह लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लाठियां फटकार कर मामला शांत कराया। इस दौरान पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है।

जानकारी के अनुसार गांव बोडाहेड़ी में दो पक्षों में पुरानी रंजिश चली आ रही थी। बीते रोज दोनों पक्षों में किसी बात को लेकर फिर से विवाद हो गया। जिसके बाद दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए। दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। बताया जा रहा है कि अचानक से मारपीट खूनी संघर्ष में बदल गई। दोनों ओर से ईंट पत्थर चलने लगे। पत्थरबाजी में भी कई लोगों को चोटें आई। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में कई लोग घायल हो गए। पत्थरबाजी में दोनों पक्षों के छह लोग घायल बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुची ने लाठियां फटकारकर दोनों पक्षों को शांत कराया। पुलिस को देख मारपीट करने वाले कई लोग भाग निकले। पुलिस ने मौके से दो लोगो को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों के नाम पते अब्दुल जब्बार उर्फ मानू पुत्र सुलेमान व मुसर्रत पुत्र इब्राहिम निवासी ग्राम बोड़ाहेड़ी थाना पथरी हरिद्वार बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ शांतिभंग में मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को मिली 15वीं बार पेरोल

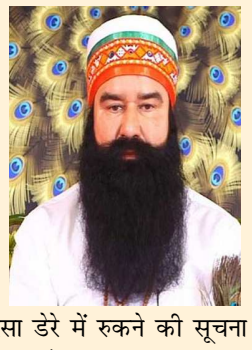

हमारे संवाददाता

हरियाणा। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम 15वीं बार फिर पेरोल पर बाहर आ गया है। न्यायालय द्वारा राम रहीम को 40 दिन की पैरोल दी गई है। आज सुबह लगभग पौने बाहर बजे राम रहीम को रोहतक सुनारिया जेल से बाहर लाया गया और उसे कड़ी सुरक्षा के बीच सिरसा डेरे के लिए रवाना किया गया।

वहीं राम रहीम के जेल से बाहर आने और सिरसा डेरे में रुकने की सूचना मिलते ही उसके समर्थकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है, हालांकि राम रहीम ने अपने अनुयायियों से अपील की है कि वे डेरे पर भीड़ न लगाएं। हालांकि अभी यह जानकारी नहीं मिली है कि पैरोल मंजूर करते हुए जेल प्रशासन ने राम रहीम के लिए क्या दिशा-निर्देश तय किए हैं। इससे पहले जब राम रहीम को जेल से छुट्टी दी गई है तो उस पर कुछ शर्तें तय की जाती रहीं हैं।

विदित हो कि बीते वर्ष 5 अगस्त को 40 दिन की पैरोल पर राम रहीम सुनारिया जेल से बाहर आया था तो तब भी वह पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच अपने सिरसा डेरे के लिए ही रवाना हुआ था। वहीं जब दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जनवरी 2025 में राम रहीम को 30 दिन की पैरोल मिली थी। तब इस दौरान भी वह सिरसा डेरे में ही जाकर रहा था। जबकि इससे पहले वह जेल से बाहर आने पर उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के बरनावा आश्रम के लिए जाता रहा है और यहीं जेल से आजादी के अपने दिन काटे हैं। फिलहाल अब यह चौथा मौका होगा जब जेल से बाहर आन के बाद राम रहीम सिरसा स्थित अपने डेरे में रुक रहा है।

हजारा बुणजाई बिरादरी ने लोहड़ी महोत्सव... पृष्ठ 2 का शेष

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ तथा सामाजिक सौहार्द को सुदृढ़ करने वाले विविध आयोजन शामिल किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विशेष गतिविधियाँ भी रखी जाएंगी। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि लोहड़ी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, एकता और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का सशक्त माध्यम है। बैठक में अध्यक्ष पवन चंडोक, अभिनव थापर, सचिन विज, संजय उप्पल, सतीश कक्कड़, अभिषेक तलवार, बाबूराम सहगल, संजीव पूरी, प्रद्युम्न कक्कड़, प्रदीप सुदी, संजय सुदी, धीरज ओबेरॉय, योगेश नंदा सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया। अंत में सभी ने आयोजन को सफल व ऐतिहासिक बनाने हेतु सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

1.30 किग्रा. चरस के साथ युवक गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने 1.30 किग्रा चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। एसपी ने पुलिस टीम को पांच हजार रूपये ईनाम की घोषणा की।

आज यहां श्रीमती कमलेश उपाध्याय, पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा अवैध नशे के सौदागरों पर शिकंजा कसने हेतु ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन एवं नशा मुक्त अभियान के तहत सभी कोतवाली/थाना प्रभारी सहित एसओजी /एएनटीएफ की टीमों को लगातार प्रभावी चैकिंग अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। कोतवाली मनेरी पुलिस की टीम द्वारा गत रात्रि को अवैध नशे के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुये एक युवक को एक किलो से अधिक मात्रा की चरस के साथ गिरफ्तार किया गया है, गिरफ्तार युवक के विरुद्ध कोतवाली मनेरी पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार के निकट पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक मनेरी प्रदीप सिंह तोमर के नेतृत्व में कोतवाली मनेरी पुलिस टीम द्वारा एक सटीक जानकारी जुटाते हुये चैकिंग के दौरान गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सालंग गांव की ओर जाने वाले नवनिर्मित पुल के पास से उपेन्द्र राणा नाम के युवक को चरस के साथ गिरफ्तार किया गया, युवक के कब्जे से 1 किलो 30 ग्राम चरस बरामद की गयी है। आरोपी चरस को गांव के ऊपर जंगलों से स्वयं इकट्ठा कर मुनाफे के लिये बेचने की फिराक में था। उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी खंगाली जा रही है। आज उसको न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

पुलिस अधीक्षक द्वारा गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम की सराहना करते हुये टीम को 5000 रुपये का नकद पारितोषिक देने की घोषणा की गयी है। एसपी उत्तरकाशी श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा बताया गया कि जनपद में अवैध नशे के कारोबारियों को किसी भी सूरत में फल-फूलने नहीं दिया जायेगा। समाज में नशे का जहर घोलकर युवा पीढी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। अवैध नशा तस्करों के विरुद्ध उत्तरकाशी पुलिस का चैकिंग अभियान लगातार जारी है, एक माह के अन्दर नशा तस्करों पर यह चौथी कार्रवाई है इससे पूर्व माह दिसम्बर में 2 लोगों को स्मैक के साथ गिरफ्तार कर 16.53 ग्राम स्मैक व एक को चरस के साथ गिरफ्तार कर 602 ग्राम चरस बरामद की जा चुकी है साथ ही अंग्रेजी शराब व कच्ची शराब के विरुद्ध भी कार्रवाईयां की गयी हैं।

शराब के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने सौंग नदी के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 531 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम धनवीर सिंह पुत्र बलवन्त सिंह निवासी थानों रोड कानरवाला बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने खदीर खडकमाफ रोड से एक को 50 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम नरेन्द्र सिंह पुत्र जीत सि ंह निवासी श्यामपुर बताया। इसके साथ ही सेलाकुई थाना पुलिस ने 89 पव्वे शराब के साथ एक को गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम राकेश पुत्र मूलचन्द निवासी जल निगम रोड हरिपुर बताया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भाजपा ने किया कांग्रेस का पुतला दहन

संवाददाता

देहरादून। अंकिता भण्डारी प्रकरण में कांग्रेस पर भ्रामक प्रचार का आरोप लगाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का पुतला दहन किया।

आज यहां भारतीय जनता पार्टी माँ नंदा देवी मंडल, कैंट विधानसभा मंडल सुमित पांडे द्वारा कांग्रेस पार्टी के विरुद्ध पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कांग्रेस पार्टी द्वारा बहन अंकिता भंडारी प्रकरण को लेकर सोशल मीडिया एवं कुछ माध्यमों पर निरंतर फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार, आधे-अधूरे तथ्यों एवं निराधार आरोपों के विरोध में किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी राजनीतिक लाभ के लिए एक अत्यंत संवेदनशील मामले पर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, जो अत्यंत निंदनीय है। वक्ताओं ने कहा कि बहन अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार एवं जांच एजेंसियाँ पूरी गंभीरता से कार्य कर रही हैं, जबकि कांग्रेस तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर समाज में भ्रम फैलाने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि कांग्रेस पार्टी को इस तरह की ओछी राजनीति से बचना चाहिए और पीड़िता को न्याय दिलाने में सहयोग करना चाहिए, न कि झूठे आरोप लगाकर जनता को भ्रमित करना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस पार्टी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर पुतला दहन में आदित्य चौहान प्रदेश मंत्री, रतन सिंह चौहान मण्डल प्रभारी, बबलू बंसल महानगर कोषाध्यक्ष, शेखर नौटियाल मण्डल महामंत्री, विकास बेनवाल मण्डल महामंत्री, संजय सिंघल पार्षद, अंकित अग्रवाल पार्षद, संतोष कोठियाल, राजकुमार तिवारी, श्रीमती नीतू साहनी, श्रीमती प्रेमलता बिष्ट, श्रीमती सुदर्शना बिष्ट, श्रीमती बिना उनियाल, श्रीमती राखी यादव, संदीप बिट्टू, अनुराज छेत्री, रवि यादव, आकाश सिंह, रोहित मिश्रा,श्रीमती किरण नौटियाल,श्रीमती मीनाक्षी गोदियाल, दीवान प्रजापति, नीरज जैन, राजेश चोधरी, सतीश साहनी, अरुण वैश्य, पंकज प्रजापति, अतुल कुमार, डॉ संजीव उपाध्यक्ष, पुष्कर थापा, कुलदीप विनायक, श्रीमती रीमा ठाकुर सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

जनता दर्शन में आये 88 मामले, अधिकांश जमीनी मामले

संवाददाता

देहरादून। जनता दर्शन कार्यक्रम में 88 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें अधिकांश शिकायतें जमीनों से सम्बन्धित रही।

आज यहां जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के. मिश्रा की अध्यक्षता में जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 88 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें अधिकांश शिकायत भूमि संबंधी प्राप्त हुई इसके अतिरिक्त आपसी विवाद, सामाजिक व व्यक्तिगत समस्याओं से जुड़ी शिकायतें शामिल रहीं। अपर जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनता दर्शन में नई बस्ती, चंदरनगर निवासी एक बुजुर्ग दंपति ने शिकायत दर्ज कराई कि उनका बेटा उनके साथ मारपीट करता है तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अपर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर को भरण-पोषण अधि नियम के अंतर्गत वाद दायर कराने के निर्देश दिए।

प्रगति विहार विकास संस्था, अजबपुर द्वारा प्रस्तुत शिकायती पत्र में बताया गया कि लेन नंबर- 6 में स्थित खाली प्लॉट पर संदिग्ध व्यक्तियों/भूमाफियाओं द्वारा कब्जा किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इस पर नगर निगम एवं तहसीलदार सदर को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत चकजोगीवाला निवासियों ने शिकायती पत्र के माध्यम से चकजोगीवाला में भूमाफियाओं द्वारा समाज की भूमि पर अवैध कब्जा किया जा रहा है तथा 18 मीटर चौड़े नाले पर भी अतिक्रमण किया गया है। इस संबंध में उप जिलाधिकारी ऋषिकेश को समाज की भूमि को कब्जा मुक्त कराने हेतु कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शास्त्री नगर, डाकरा कैंट निवासी निर्मला देवी ने अपने शिकायती पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि उनके पति वर्ष 2012 से गुमशुदा हैं। उन्होंने पति को मृत घोषित करते हुए कैंट बोर्ड से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराने का अनुरोध किया। इस पर अपर जिलाधिकारी ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी, देहरादून कैंट को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता हनीफ ने अपने दिवंगत भाई वसीम अहमद (श्रमिक), जिनका 21 जनवरी 2022 को कार्य के दौरान दुर्भाग्यवश निधन हो गया था, के संबंध में ई-श्रम योजना अंतर्गत देय अनुग्रह राशि के भुगतान हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि उनकी शिकायत आईडी एलबी57117 की स्थिति वर्तमान में बंद दर्शाई जा रही है, जबकि आज तक मृतक की पत्नी को अनुग्रह राशि प्राप्त नहीं हुई है, जिससे परिवार गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने प्रकरण की पुन: जांच कराते हुए संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि देय अनुग्रह राशि भुगतान के संबंध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सात दुकानें जलकर खाक, लाखों का नुकसान

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ललतारा पुल के पास देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी फैल गयी। आग लगने की इस घटना में सात दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं और लाखों रुपये का सामान राख हो गया। सूचना मिलने पर दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बताया जा रहा है कि देर रात अचानक एक दुकान से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पास की अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही मिनटों में एक लाइन में लगी सभी दुकानें जलकर खाक हो गईं।

आग लगने की सूचना पर दुकानदार मौके पर पहुंचे और अपने सामने जलती हुई दुकानों को देखकर कई लोग रोने-बिलखने लगे। अधिकांश दुकानदार अस्थाई दुकानें चलाते थे और छोटी-छोटी रोजगार कमाई से परिवार चला रहे थे। घटना के बाद पीड़ित दुकानदारों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हरिद्वार फायर ब्रिगेड की टीम ने समय रहते कार्रवाई करते हुए आग फैलने से और नुकसान होने को रोक दिया। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चला है, लेकिन प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। सीएफओ शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया आग लगने की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और समय रहते आग पर काबू पाया गया। प्रथम दृष्टया यह शॉर्ट सर्किट से लगी प्रतीत हो रही है, लेकिन पूरी तरह से कारणों की जांच जारी है। प्रशासन ने अब दुकान मालिकों के नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।

आर्यन देव उनियाल बने युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री

मसूरी (कासं)। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मसूरी के आर्यनदेव उनियाल को भाजपा युवा मोर्चा का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को युवाओं में पार्टी की पकड़ और धार बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। आर्यन देव उनियाल लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े रहे हैं और युवा मोर्चा में सक्रिय भूमिका निभाते आए हैं। कानूनी क्षेत्र में भी उनकी पहचान रही है, जिससे संगठन को वैचारिक और रणनीतिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नियुक्ति के बाद आर्यनदेव उनियाल ने कहा कि भाजपा युवाओं को केवल चेहरा नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति मानती है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए युवा मोर्चा को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत किया जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह नियुक्ति आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर की गई है, जहां भाजपा युवा मोर्चा को निर्णायक भूमिका में उतारने की तैयारी कर रही है।

माइनिंग टीम पर जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। माइनिंग टीम पर जानलेवा हमला करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार गोडूरुलुरू सुमन (फ्लाइंग इंचार्ज, कैलाश रिवर वेड मिनरल्स) ने कोतवाली डोईवाला में लिखित प्रार्थना पत्र दिया कि दिन से समय वह अपनी टीम के साथ सुसवा नदी, बाजावाला में अवैध खनन की निगरानी और चेकिंग कर रहे थे, इस दौरान सोहन सिंह उर्फ मोनू तथा हरजीत सिंह उर्फ नानू ने उनके सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए उनकी टीम के साथ गाली-गलौज और मारपीट की गयी तथा उस पर जान से मारने की नियत से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की संवेदनशीलता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक डोईवाला को निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में प्रभारी निरीक्षक द्वारा एक पुलिस टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा घटना के अनावरण हेतु घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का सघन अवलोकन किया गया। साथ ही उच्चस्तरीय सुरागरसी और तकनीकी विश्लेषण की मदद ली गई तथा गत दिवस लच्छीवाला के समीप डोईवाला रोड से हरजीत सिंह उर्फ नानू को गिरफ्तार किया। मामले में वांछित सोहन सिंह उर्फ मोनू की गिरफ्तारी हेतु प्रयास किए जा रहे हैं।

आस्था, सुरक्षा और सीमांत चुनौतियों के बीच शीतकालीन यात्रा

हमारे संवाददाता

चमोली। सीमांत क्षेत्र नीती घाटी में 'छोटा अमरनाथ' के नाम से विख्यात टिम्मरसैंण महादेव के दर्शनों के लिए इन दिनों आस्था का जनसैलाब उमड़ रहा है। वर्तमान शीतकालीन यात्रा के दौरान प्रतिदिन 500 से 1000 श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुँच रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और सीमांत क्षेत्रों में पुलिसिंग को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक चमोली, सुरजीत सिंह पँवार ने नीती घाटी का दौरा किया। भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने टिम्मरसैंण महादेव पहुँचकर वहां मौजूद श्रद्धालुओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने यात्रियों से यात्रा मार्ग की स्थिति, सुरक्षा और ठहरने की व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया। श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन के अनुभव साझा किए और पुलिस की उपस्थिति पर संतोष व्यक्त किया।

आगामी अप्रैल माह में नीती घाटी में एक भव्य 'अल्ट्रा मैराथन' का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की महत्ता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा और पुलिस चौकियों की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। मैराथन के रूट और सुरक्षा मानकों को देखते हुए सुराईथोटा और मलारी चौकियों का निरीक्षण किया गया। एसपी चमोली ने स्पष्ट किया कि इस मार्ग पर पड़ने वाली प्रत्येक पुलिस चौकी की भूमिका सबसे अहम होगी।

मलारी भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद किया। वरिष्ठ नागरिक कपिल रावत और राजेंद्र राणा सहित अन्य ग्रामीणों ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि शीतकाल में भारी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं, लेकिन वर्तमान में यहाँ मेडिकल सुविधा बंद रहती है, जिससे आपात स्थिति में कठिनाई होती है। नीती, मलारी और बाम्पा में ग्रामीण होम-स्टे का संचालन कर रहे हैं, लेकिन ज्योतिर्मठ के बाद पूरी घाटी में कहीं भी पेट्रोल पंप नहीं है, जो पर्यटन और स्थानीय लोगों के लिए बड़ी समस्या है। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए पुलिस अधीक्षक चमोली ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल फोन के माध्यम से जिलाधिकारी चमोली से ग्रामीणों की वार्ता करवाई। इसके अतिरिक्त, पुलिस अधीक्षक ने बीआरओ के कमांडिंग ऑफिसर मेजर विवेक सोनी व द्वितीय प्रभारी सुनील कुमार त्रिपाठी से सुराईथोटा में भेंट की। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ज्योतिर्मठ देवेन्द्र रावत व अन्य मौजूद रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।